Otto Böhtlingk & Rudolph Roth: Sanskrit-Wörterbuch, Part 1, Retersburg 1855 उच्छेत्र (von हिंदू mit उद्) nom. ag. Zerstörer, Vernichter: धर्माणाम् 10. H. 1431. नर्रन्द्राणामुच्छायाः पतनानि च प्रदर्धः 1,307. यया च तत्प्रव-R. 3, 36, 11.

উচ্চিই (wie eben) m. das Abhauen; Zerstörung, Vernichtung, Zugrunderichtung: पुत्रस्य चर्णोच्छ्दो विक्तिः कार्णं विना KATHAS. 18, 29. सकलदापादानामुच्छेरं करिष्यामि Pankar. 210, 5. किमिति सर्वपश्रूच्छेरः क्रियते нт. 67,19. कै।शिकाच्क्रेट् МВн. 1,6739. मा दै।ध्यक्ता वंश उच्छेट् न्नजेत् 3805. कुलोच्छेर् Раль. 25,12. ममलस्य 93,7. व्यसनस्य Рамкат. II, 196. सता भने।च्छेदकरे। पिता ते RAGE 14,74. ड्रफ्ट्छेद: खत्वयं भनता ट्यामाङ: PRAB. 76,9.

उच्छेदन (wie eben) n. das Vernichten, Zugrunderichten: श्रीमित्रस्य R. 5,47,35. यस्त् नोच्हेदनं चक्रे क्षिकानाम् MBn. 1,6639. म्रागभौच्हेदन 6847. म्रस्माकं पुनः सवाँच्हेर्नं न स्यात् Pankar. 53,25.

उच्छेदनीय (wie eben) adj. abzuschneiden: म्राशातनु: Milat. 151, 6. उच्छोदन् (wie eben) adj. vernichtend: स्रनेकासंश्योद्देशद् — शास्त्रम् HIT. Pr. 9.

उद्देश (wie eben) adj. zu zerhauen; zu vernichten, zugrundezurichten: इक्टिक्स्त ममलयान्य: PRAB. 93, 12. उट्ह्य (ein Feind) PANKAT. I,409. III,60. 100,6. मुझाइक्य leicht zu vernichten (ein Feind) III,25. श्रस्माकं इ हर्द्ध्या (eine Feindin) Радв. 31,11.

उच्केष (von शिष् mit उद्) m. Ueberbleibsel: उच्केषपरिशंष कि तान्भी-ज्ञप MBH. 13, 1621.

उद्ह्या (wie eben) n. dass. TS. 2, 5, 3, 6. 6, 5, 6, 1. M. 3, 246. 265.

उच्क्रींचन (von पुच् mit उद्) adj. brennend AV. 7,95,1.

उन्होषण (von प्रम् im caus. mit उद्) 1) adj. austrocknend, dörrend: शोकम्च्ह्रोषणामिन्द्रियाणाम् Вилс. 2, 8. — 2) n. das Austrocknen, Trokkenlegen: तर्सा संतुबन्धेन सागराच्छाषणेन च। सर्वथार्कं समर्थे। उत्मि सा-गर्स्याप लङ्ग्ने ॥ R. 5,72,2. In der folg. Stelle hat das Wort intrans. Bed. und ist also vom simpl. शुष् abzuleiten: उच्क्रांपणं समुद्रस्य पतनं च-न्द्रसूर्ययोः । चलनं शैलराजस्य शीतत्वं कृष्ठवत्मेनः ॥ म्रश्नद्वेयानि कमीरिय पंयेतानि u. s. w. R. 5,36,21.

उच्छाप्क (von प्र् mit उद्) adj. austrocknend, abdorrend: स्रापधीः ÇAT. BR. 12,1,1,2.

उन्ह्रेप (von प्रि mit उद्) m. 1) das in-die-Höhe-Steigen (das Erheben, Aufrichten), Erhebung; Höhe AK. 2, 4, 1, 10. शक्रपात तयोच्छ्यं wenn Indra's Fahne herabfallt und aufgezogen wird Jack. 1,147. प्रपादक्र्ये प्राप्त мвн. 14,2629. R. 1,13,24. दम्भा धर्मधजाच्क्र्य: мвн. 3, 17385. त-स्वाः (वष्टेः) क्रियते ऽत्युच्क्क्यो न्यैः 1,2353. परोच्क्क्य Мыккы.114,6. नाक-मावृत्त्य (ब्रावृत्य ?),रितष्ठलम्ब्क्रूयेण मङ्गिर्गारम् мвн. 1, 1105. स इ.म. कद-लीखएंड हाद्यन्नमितखुतिः । गिरिं (von हाद्यन् abhängig) चोच्क्र्यमाक्र-म्य तस्या तत्र च वानरः ॥ ३,४१२६६. बद्धतालोच्क्र्यं शङ्गम् ४४६९६. सप्तक-रोच्क्रय (ein Mensch) H. 134. प्रासाँदै: स्कृतोच्क्र्यै: MBH. 1,6963. विशी-प्रशिखराच्क्रयः (पर्वतः) R. 5,4,9. महाच्क्रय adj. 3,74,14. साच्क्रय hoch AK. 3, 4, 85. Trik. 3, 3, 60. — 2) Wachsthum, Zunahme, gesteigerte Thätigkeit: देशिवाच्क्रियापशात्ययम् Suçn. 2, 4, 14. 397, 5. 416, 11. — 3) Kathete (vgl. उद्यप 5 und उच्छिति 2) Colebr. Alg. 59. — Vgl. उच्छाप. उच्छ्यण (wie eben) n. das Erheben, Aufrichten: यूपोच्छ्यण Kats.

ÇR. 8,8,41. 7,1,35. — 16,4,31. Âçv. Grыл. 4,9.

ਤੋਰਨ੍ਹਾਂਪੈ 1) m. P. 3, 3, 49. a) das Steigen, Erhebung; Höhe AK. 2, 4, 1,

क्तं तणमूर्धमधः तणम् । उच्छायपातपर्यायं धनिना दर्शयित्रव ॥ Катийь. 25,44. ग्रीवीच्क्राय Seça. 1,123,20. प्रङ्गाच्क्रायै: Месн. 39.14. र्कगच्यू-त्युच्ह्राय (ein Mensch) adj. H.132. पाताकाच्ह्रायवन्ति (वेश्मानि) MBH.1, 4995. मेहाच्क्रायवान् (पार्पः) Рамкат. 104, 6. — b = उच्क्र्य 2 : नीती-च्ह्रायम् (ज्योतस्त्रा) Kirlar. ५,३१. दे।पोच्ह्राय Suça. 1,84,2. 2,195,7. नाना-क्रिजोच्क्रायकर 1,308,7. - 2) f. ंपैरी eine aufgerichtete Planke: परिश्व-यत्युच्ह्रायीभ्याम् ÇAT. BR. 3, 5, 3, 9. KATJ. ÇR. 8, 3, 27. 4, 16.

उच्छित s. भ्रि mit उद्ग.

ত্তিকানি (wie eben) f. 1) das Steigen, Emporkommen, Zunahme: ম্বা-षध्यः पश्चे। वृत्तास्तिपेञ्चः पतिणस्तया । यज्ञार्ये निधनं प्राप्ताः प्राप्नवहयु-चिक्कृतीः पुनः॥ M. 5,40. = उच्क्र्य २ः प्लेष्मलिङ्गोचिक्कृति Suga. 2,397, ।।. — 2) Kathete Colebr. Alg. 39. Vgl. उच्छ्य 3.

ব্ৰহাই m. ein best. Theil des menschlichen Leibes, du. AV. 10,2,1. ত্তিকুকুঁ (von যায় mit ত্র্) m. das Aufklaffen, Sichaufthun Çat. Br. 5, 4, 1, 9.

उच्छोसत (von श्वम् mit उद्) 1) adj. s. u. श्वम्. — 2) n. Hauch, Lebenshauch: सर्खी सा खलु भगवतः कएवस्य कुलपत्तरुट्कासतम् Çik. 31, 10.

ਤੋਵਡ਼ੀਜੇ (wie eben) m. 1) das Aufathmen, Einziehen der Luft H.1368. an. 3, 745 (निर्वृति). Med. s. 16.17 (प्राणन, म्राम्वास). उच्छासनि[ः]म्बासी Ридскор. 4, 4. तस्याभिश्चासः प्राणममृतं द्ध इत्युच्कासी उमृतं प्राण ऋ। द्ध इति Kitj. Ça.4,8,29. Suça.1,124,11. नि[:] श्वासोच्क्वास 319,21. प्रश्वासी-च्ह्रास 363, 15. 2,235, 13. तयैव मानमकराद्नुच्ह्रासम् Viçv. 15, 7. एकाच्ह्रा-सात्ततः क्एाउं पिबति स्म MBH. 1,5032. निरुद्धास adj. 3,1613. f. म्रा R. 5,25,48. सोट्कास Suga. 1,66,13. सोट्कासम् adv. aufathmend (nach geschwundener Unruhe) Çak. Сн. 163, 10. Prab. 66, 5. — 2) Seufzer: मुक्का स् भूशान्दक्रस्य MBH. 14,482. दी घोटकास MBGH. 100. AMAR. 11. — 3) Aushauch, Hauch Suça. 1,115, 17. तासामुच्छासवातेन माल्यं वस्त्रं च गात्रतः। नात्वयै स्पन्दते R. 5,13,63. मुखोच्क्वासगन्ध Vikk.105. प्रियाम्खोच्क्वासचि-कम्पितं मधु हर.1,3. सिन्धे हिच्छासे (Gischt) प्तर्यत्तमुत्तर्णम् ह.V.9,86,43. श्रय च कपोलपतितं दृश्यामदं (auf einem Bilde) वात्ते कोच्कासात् (indem die Farbe hervortritt) Çak. 142. das Verhauchen, Sterben Kats. Ca. 14, 5,20. 17,3,7. - 4) Abschnitt in einer Erzählung (zum Athemholen) TRIK. 3, 2, 24. H. 237, Sch. an. 3, 746. Med. s. 17. Verz. d. B. H. No. 539.

उच्छासन् (wie eben) adj. 1) aufathmend, Luft einschnappend: संत-तींच्छ्वासिन् Suga. 1,120,21. — 2) seufzend Megu. 100. — 3) aushauchend, verhauchend: उद्योद्धासी Çat. Ba. 14, 7, 1, 44. — 4) sich hebend, hervortretend: सिचपात्रन — स्तनमध्योद्धासिना VIKE. 7. von einer Farbe Ku-

उक्क, उँच्क्कांते und उच्क्वेंति Dataup. 7,37 (विवास); v. l. विपाशे und नि-वासे). 28,14 (विवासे; v. l. विपाशे; Vop.: वन्धसमापने वर्शने ऽतिक्रमे). kein periphr. perf. P.3, 1, 36, Vårtt. Nach Purushakara (West.) bloss in Verbindung mit बि. — desid. उचिह्निषति P. 6, 1, 3, Sch. 7, 4, 61, Vartt., Sch. auch उतिच्छिपति (!) Vor. 19,1. — Vgl. उप् und वस्.

উত্ত্যাবন (von ত্রি mit উত্ত্র) 1) m. N. pr. eines Mannes MBu. 13,257. — 2) f. Οζήνη, N. der Hauptstadt von Avanti (Målava), der Residenz Vikramāditja's, Тык. 2,1,16. gaņa वर्णादि zu P. 4,2,82 und धूमादि zu 4,2,127. Vgl. उज्जीयनी.